

Progress Report 2021-22

MARUT NARAYAN SEVA SANSTHAN NAGAU **NON GOVERNMENT ORGANIZATION (Nagaur)**



MARUT NARAYAN SEVA SANSTHAN, NAGAU

Rampole Choraya Station Road Nagaur 341001

Phone No. 01582-240408

E-Mail- marutnarayan7181@gmail.com

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22

मारुत नारायण सेवा संस्थान, नागौर रामपोल चौराहा स्टेशन रोड़ नागौर राजस्थान 341001

1. संस्था का परिचय
2. कार्यक्षेत्र का परिचय
3. कार्यक्रम विवरण

- महिला गृह प्रशिक्षण
- नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम
- सिलाई कटाई प्रशिक्षण
- महिलाओं में कानूनी जागरूकता शिविर
- कन्या भ्रूण हत्या व जागरूकता शिविर
- पर्यावरण जागरूकता व सीवरेज प्रणाली शिविर
- व्यर्थ लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम
 - I. ग्राम छावटा खुर्द तहसील जायल नागौर
 - II. नया तेलीवाडा नागौर
- व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पार्लर)
 - I. ग्राम गोगेलाव नागौर
 - II. रामपोल चौराहा नागौर
- गैर आवासीय प्रशिक्षण (कम्प्युटर बैसिक)
 - I. रामपोल चौराहा नागौर

संस्था परिचय

संस्था की स्थापना :-

संस्था की स्थापना बच्चों एवं महिलाओं के कल्याणार्थ हेतु व अनुसूचित जाति/जनजाति, अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र, शिक्षा एवं पर्यावरण क्षेत्र में की गई।

संस्था का रजिस्ट्रेशन:-

संस्था का रजिस्ट्रेशन भारत सरकार की **UNIQUE ID: RJ/2016/0109033** दिनांक **16-11-2016** है रजिस्ट्रेशन स्थाई तथा कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। व राजस्थान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1960 के अन्तर्गत नागौर से करवाया गया रजि. नं. **190** दिनांक **24-1-2009** है रजिस्ट्रेशन स्थाई तथा कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान है **ISO: 9001:2015** द्वारा प्रमाणित है साथ ही संस्था के लिए **GST No. 08AACAM2564N1Z8** भी जारी किये हुए है व संस्था ने स्थाई कर्मचारियों के लिए **PF** व **Esi No. RJJOD1819408000** भी जारी हो गये है।

मारुत नारायण सेवा संस्थान महिलाओं में जागरूकता व समाज के शोषित व गरीब वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए संस्था कार्य के लिये तत्पर रहती है ,संस्था महिलाओं के आर्थिक उत्थान हेतु स्वरोजगार, कार्यक्रम, वृद्धों, अपंगों, असहायों, विधवाओं, गरीबों एवं आदिवासीयों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगो में विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक व समाज मे, बाल श्रम रोकथाम व ,गरीब वर्ग एवं सामाजिक कार्यक्रमों द्वारा समाज में फैली कुरीतियों एवं हिन्दी शिक्षा का प्रचार-प्रसार के लिये तत्पर है। एवं विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं का आई.ई.सी. गतिविधियों के द्वारा प्रचार प्रसार का कार्य कर रही है।

महिला गृह उधोग:-

वित्तिय वर्ष 2019-20 में संस्था द्वारा दलित, पिछडे एवं गरीब परिवारों, की महिलाओं को घरेलू व्यवसाय जैसे –बड़ी पापड़, अचार, गुलदस्ते तथा सॉफ्ट टॉय व फोटो सिनेरी आदि बनाने का प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया जिसमें 20-20 के ग्रुप में(रूडा) के सहयोग द्वारा महिलाओ और युवतियो को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया व सरकारी योजनाओं के माध्यम से बैंकों से ऋण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाया तथा संस्था के द्वारा प्रयास किया गया कि समय-समय पर गरीब बेरोजगार व पिछडे वर्ग की महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार का लाभ दिलाया जाए तथा महिलाओं को रोजगार के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर, ताकतवर और समाज मे स्वाभिमान के साथ रहने गुण सिखाये ताकि भविष्य में महिलाएं पुरुषों से कदम से कदम मिलाकर चलें और किसी भी कार्य में महिलाओं का पुरुषों से कम नही समझा जाए उन्हे भी अपने परिवार के प्रति कुछ ना कुछ करके अपने परिवार का भरण-पोषण में सहयोग कर सकें। संस्था महिलाओं का आत्म समान और हौसला बढाने के लिये हमेशा तत्पर रहती है और उन्हे और आगे बढाने के साथ-साथ उनके हित में सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं द्वारा उनको नई से नई तकनीक का प्रशिक्षण करवाती है जिसका पुर्ण लाभ उनको मिले और व समाज में सम्मान व स्वयं पर निर्भर रह सकें। दलित वर्ग के परिवारों को सम्मान दिलवाने व इनके सहयोग के लिये संस्था इन परिवार से जुडी हुई महिलाओं को गृह उधोग का प्रशिक्षण अवगत करवाती और साथ ही रोजगार भी दिलवाने का प्रयास करती है जिससे की प्रशिक्षित महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढते रहे और वो अपने काम से सभी का मन जीत लें और समाज में उनको मान-सम्मान मिल सकें जिससे महिलाओं व संस्था में अच्छे व मजबुत सम्बन्ध बने रहे।

महिला गृह उद्योग प्रशिक्षण के उद्देश्य

- संस्था सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं को दलित व गरीब परिवार के लोगो तक पहुंचाकर लोगो को योजनाओं से जोड़ती है।
- महिलाओं को शिक्षा व स्वास्थ्य के बारे में अवगत करवाती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की और अग्रसर करने हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने का कार्य संस्था के मार्फत करवाया जाता है।
- गांव मे निवास करने वाले अनपढ़ व गरीब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाना संस्था अपना परम कर्तव्य मानती है।
- महिला गृह उद्योग प्रशिक्षण से महिलाओं के साथ पुरुष को भी बहुत लाभ होता है महिलाएं अपने घर के पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करती है जिससे बेरोजगारी में कमी आती है और परिवार की आर्थिक स्थिती में सुधार होता है।
- इस प्रशिक्षण के माध्यम से संस्था यह बताना चाहती है कि जब एक परिवार का एक पुरुष कमाई करता है तो वह अपने परिवार का पालन पोषण अच्छे से नहीं कर पाता ऐसी स्थिति में महिलाओं द्वारा सिखें गए गृह प्रशिक्षण से महिलाएं भी अपने पुरुष काम करके परिवार के पालन पोषण में अपना सहयोग करती है।

नशा मुक्ति जागरूकता शिविर:-

मारुत नारायण सेवा संस्थान नागौर द्वारा गांव रामसिया में नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन रखा और इस शिविर के माध्यम से आज के नव युवक व सभी को जो नशा करते हैं और इसके आदि को ध्यान में रखते हुए उन को बताया गया की नशा-नाश करवता है इससे विनाश होता है विकास नहीं और आज के मंहगाई के इस युग में आज के नौजवान पीढ़ी लड़का हो या लड़की में नशे की लत लगी हुई है जिससे नशा में रहने वाले नौजवान या युवक अपनी घर की महिलाओं या गैर महिलाओं के साथ शारीरिक व मानसिक अत्याचार कर महिलाओं व युवतियों को बेईज्जत कर घर से निकाल दिया जाता है ऐसी घटनाएँ आए दिन अखबार, न्युज चैनल, सोशल मीडिया में होती रहती हैं। ऐसी घटनाओं के रोकथाम के लिए ही नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया तथा लोगों को नशा से होने वाली अन्य हानियों के बारे में बताया गया और जो लोग नशे के आदि हैं उनको नशा के त्याग करने की शपथ दिलाई गई।

संस्था द्वारा इसके रोकथाम के लिए जगह जगह शिविर लगाया गया गरीब व बेरोजगार लोग जो नशे के आदि हैं उनको नशे से दूर रहने और अपनी कमाई को फालतु नशे में खराब नहीं करने की सलाह दी गई।

- नशा नाश है जीवन का परित्याग है और यही उद्देश्य समझाकर लोगों के अपने व अपने परिवार के जीवन को और अहम कैसे बनाना है।
- संस्था का उद्देश्य है कि जन-जीवन सुरक्षित व खुशहाल कैसे बनाया जाये।
- नशा करना जीवन के लिए हानिकारक है नशा करने वाला अपना तो नुकसान करता ही है साथ ही अपने परिवार को भी हानि पहुँचाता है

- नशा करने वाला अपने जीवन से प्रेम नहीं करता है इस कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया की इसका आपके जीवन पर कितना बुरा प्रभाव पडता है।
- नशा करने वाला व्यक्ति समाज में अपमानित होता है और समाज के लोग उसको बुरा भला बोलते है तो संस्था इसको अपना कर्तव्य मानकर कि वो व्यक्ति जो नशे का आदि है और समाज में जिसका कोई सम्मान नहीं करता ऐसे लोगो नशा की लत से मुक्ति दिलवाने के लिए हमेशा तत्पर है।



नशा मुक्ति जागरूकता शिविर के दौरान डॉक्टर व संस्था के सदस्य शिविर में भाग लेने वाले पुरुषो, महिलाओ व बच्चों को नशे की लत कैसे छुडाये उसकी सलाह देते हुए

सिलाई कटाई प्रशिक्षण :-

संस्था का लक्ष्य है कि आज के युग में कुछ सीखों और कमाओं हुनर के साथ संस्था द्वारा इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बढ़ रही महंगाई व बेरोजगारी से मुकाबला करने के लिये गरीब एवं अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं एवं युवतियों को स्वयं के स्तर पर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु सिलाई कटाई हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 160 महिलाओं एवं युवतियों को कुशल प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को बाजार की मांग के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया तथा वह सह रोजगार प्राप्त कर अपने परिवार के लिए बोझ न बनकर सहारा बन सकते थी ये महिलाएं 9000 रुपये प्रतिमाह आय अर्जित कर रही है और अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है।

- वस्त्र एवं परिधान का ये नया युग जो (फैसनेबल) है संस्था इसी की बातों का ध्यान रखते हुए प्रशिक्षण भी उसी प्रकार का दिया जाता है ताकि वह अपना कार्य इन बातों को ध्यान में रखते हुए कर सके।
- संस्था महिलाओं को स्वयं के रोजगार के लिए प्रोत्साहन देती है।



सिलाई कटाई प्रशिक्षण शिविर के दौरान महिलाओं व युवतियों को सिलाई के गुण सिखाते हुए

महिलाओं में कानूनी जागरूकता शिविर :-

संस्था महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए अत्याचार से पिड़ित महिलाओं को जागरूक करने बाबत् एवं उन्हें अपने अधिकारों से जागरूक करने हेतु महिला जागरूकता कैंम्प और कानूनी धाराओं के बारे में जानकारी के लिए नूकड़ नाटकों का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह दहेज प्रथा व नारी उत्पीड़न आदि पर नाटक के माध्यम से कलाकारों एवं समाज सेवकों के द्वारा महिलाओं में जागरूकता हेतु प्रेरित करने वह इनको पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने व अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

- संस्था गरीब व उत्पीड़न महिलाओं के प्रति सदैव तत्पर रहते है।
- संस्था महिलाओं को बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं व उनके शिक्षा का प्रोत्साहन देती है ।
- गांवों में बहु बेटी को समान भाव से समान देना चाहिये।
- संस्था आम जन को यह बताना चाहती है कि नशा स्वयं व अपने परिवार का नाश है



महिलाओं में कानूनी जागरूकता शिविर के दौरान नूकड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के बारे बताया गया

कन्या भ्रूण हत्या व जागरूकता शिविर :-

घर की बेटी लक्ष्मी बेटी बचाओं बेटी पढाओं संस्था द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया राज्य के ग्रामीण/शहरी क्षेत्र में कई जगह लड़कियों को बोझ समझकर उन को कोख में ही मार दिया जाता है कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम हेतु संस्था द्वारा जागरूकता कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें लड़के व लड़कियों के बीच गिरता अनुपात व लड़कियों को लड़को के बराबर का दर्जा नही देना और उन को शिक्षा के क्षेत्र में से दुर रखने वाली कई समस्याओं को सुलझाने के लिए कैम्प में बताया गया और आने वाले युग को बताया की बेटी दो घरों को बराबर लेकर चलती है आप सब को बेटी को महत्व देना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को बेटा-बेटी में फर्क नही करे और लोगों को बेटी बचाओं के लिए आंगनवाड़ी व स्कूलों में अपील की गई की हम सभी को बेटी को बचाना है साथ ही संस्था का यह प्रयास है की आने वाले समय में इस अपराध को कम किया जा सकें तथा लोगो का बताया गया की सरकार द्वारा लक्ष्मी योजना व ऐसी कई योजनाये चला रही है जिस से बेटी आप को बोझ नही लगे, इसके लिए राज्य के ग्रामीण/शहरी क्षेत्र के लोगों को जागरूक किया।

- बेटिया एक परिवार को नही बल्कि दो परिवारों को जोडे रखती है और बेटा बेटी दोनो समान है इनमें कोई भेदभाव नही है।
- संस्था सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुचाकर लोगो को शुभ लक्ष्मी योजनाओं के बारे में अवगत कराती है ।



कन्या भ्रूण हत्या शिविर के दौरान लोगो का जागरूक करते हुए संस्था के सदस्य

पर्यावरण जागरूकता व आई. ई. सी. गतिविधियों एवं शिविर :-

पहला सुख निरोगी काया, संस्था द्वारा सीवरेज प्रणाली द्वारा पर्यावरण जागरूकता व आई.ई.सी गतिविधियों शिविर कैम्प का आयोजन किया गया व आम जन को बताया गया की पर्यावरण को दूषित होने से कैसे बचाया जा सकता है 70 प्रतिशत बिमारीयो से छुटकारा मिल सकता है संस्था द्वारा लोगो को बताया की रूडिप के द्वारा आयोजित सीवर कनेक्शन करवाकर गली व शहर को स्वच्छ रखा जा सकता है तथा स्वच्छ भारत के निर्माण में हमें पूर्ण सहयोग करना चाहिये व पानी को व्यर्थ बहने से रोकना चाहिए और वर्षा जल को इकट्ठा करना चाहिए। शहर के वासियों को सीवरेज प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया गया कि सीवरेज प्रणाली से जुड़े जिससे की सभी जगह होने वाली गंदगी साथ ही गंदे पानी से पनपने वाली अनेक बीमारियों से छुटकारा मिलेगा इत्यादि जानकारी आमजन तक पहुंचाने व आई. ई. सी. गतिविधियों द्वारा प्रचार-प्रसार करने का कार्य संस्था के मार्फत किया गया था जिससे आमजन में सीवरेज प्रणाली में जागरूकता लाने का प्रयास किया व सीवरेज कनेक्शन हेतु प्रेरित किया गया।



सीवर कनेक्शन हेतु विशाल शिविर के आयोजन के दौरान शहरवासी साथ ही रूडा के कर्मचारी व संस्था के सदस्य कनेक्शन करवाने का काम करते हुए

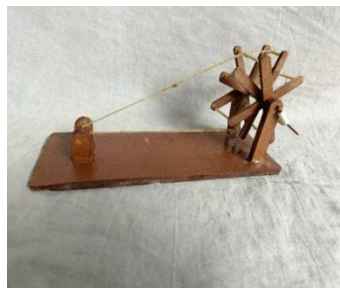
व्यर्थ लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

NGO मारुत नारायण सेवा संस्थान, नागौर आर्टिजनों (कारीगरों) के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता है। आर्टिजनों के अत्यधिक समर्पित और उत्साही समुह के साथ काम करना एक अद्विभूत अनुभव रहा और KVIC बीकानेर को बेकार और व्यर्थ लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम की इस परियोजना को देने के लिए धन्यवाद देना चाहता है इसके अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि के दौरान सहयोग, मदद व प्रोत्साहन करने वालों का धन्यवाद करता संस्था द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षण स्थल छावटा खुर्द गांव व तेलीवाडा नागौर के आर्टिजनों (कारीगरों) का जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अपना सहयोग दिया। KVIC खादी और ग्रामोद्योग आयोग मण्डलीय कार्यालय बीकानेर के माध्यम से ग्रामोद्योग विकास परियोजना के तहत NGO मारुत नारायण सेवा संस्थान नागौर व KVIC के समन्वय से RIIELG कोलकाता से मास्टर ट्रेनिंग व डिजाइन द्वारा (व्यर्थ लकड़ी शिल्प कला) के 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया ग्राम छावटा खुर्द व तेलीवाडा नागौर के आस-पास के क्षेत्र में रहने वाले आर्टिजनों का हस्तशिल्प बनाना और कारीगरों को शिल्प कला से प्रशिक्षित करना एक अच्छा कार्य है जिसमें न केवल आर्टिजनों का मुख्य बाते बताते हैं बल्कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उनके कार्य अनुभव को बढ़ाया जाता है जिससे वह व्यर्थ और खराब उत्पादों को नया रूप देकर योग्य व प्रशंसा के पात्र बना सकते हैं। व्यर्थ लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम छावटा खुर्द तहसील जायल जिला नागौर में दिनांक 20 दिसम्बर 2021 से 08 जनवरी 2022 तक तथा नया तेलीवाडा तहसील नागौर जिला नागौर में दिनांक 11 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक 20 दिन की अवधि में 20-20 के बैचों में आर्टिजनों (कारीगरों) के साथ व्यर्थ लकड़ी शिल्प कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था कि सामाजिक व आर्थिक खराब स्थिति में रहने वाले बेरोजगार व गरीब वर्ग के लोगों को अच्छा कारीगर बनाकर उनकी खराब स्थिति को सुधारा जा सके और उनको इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा शिक्षा व रोजगार के सम्बन्ध में अच्छा अवसर मिल सके इसके साथ ही वे व्यर्थ उत्पादों से नये उत्पाद बनाने का कौशल सिख सके जिससे आर्टिजनों की आर्थिक स्थिति में आय का पुरक स्रोत प्रदान हो और रोजगार में वृद्धि हो सके।

कार्यान्वयन

उत्पादों का डिजाइनर द्वारा डिजाइन करके नया बनाने के बाद NGO मारुत नारायण सेवा संस्थान नागौर और खादी ग्रामोद्योग आयोग मुम्बई द्वारा चयनित RIIELG कोलकाता अधिकारियों के साथ चर्चा की जाती है जिसके बाद आर्टिजनों के बनाए गए शिल्प उत्पादों का कार्यक्रम में प्रदर्शित किया जाता है।

प्रशिक्षण स्थल ग्राम छावटा खुर्द तहसील जायल जिला नागौर



खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा वेस्ट वुड क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यर्थ लकड़ी से बनाए गए नए प्रोडक्ट

प्रशिक्षण स्थल नया तेलीवाडा तहसील नागौर जिला नागौर



खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा वेस्ट वुड क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यर्थ लकड़ी से बनाए गए नए प्रोडक्ट

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पार्लर) :-

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पार्लर) का आयोजन KVIC बीकानेर की ग्रमोद्योग विकास योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थल ग्रम गोगेलाव नागौर व रामपोल चौराहा नागौर में किया गया इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण जिम्मेदारी **NGO मारुत नारायण सेवा संस्था नागौर** को इस आयोजन को पुरा करने का कार्य सौंपा गया जिसको संस्था ने बहुत अच्छे से और सफलतापूर्वक पूर्ण कराया जिसके लिए KVIC बीकानेर व इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों, महिलाओं व युवतियों का संस्था की ओर से आभार व्यक्त किया जाता है ब्यूटी पार्लर कार्यक्रम के ग्रम गोगेलाव नागौर व रामपोल चौराहा नागौर में निवास करने वाली गरीब चयनित परिवार की युवतियों एवं महिलाओं को निःशुल्क ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण हेतु कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं को ब्यूटी पार्लर से सम्बन्धित सभी प्रकार की विधियां व इसमें काम आने वाली वस्तुओं के बारे में बताया गया आयोजित कार्यक्रम में इन सभी महिलाओं व युवतियों का प्रशिक्षित कर बताया गया की कम लागत पर अच्छी आमदनी कैसे कर सकती है इस ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रम गोगेलाव नागौर व रामपोल चौराहा नागौर की 20-20 प्रशिक्षणार्थियों के 2 बैच का संचालन संस्था ने स्वयं के प्रयासों से किया, संस्था के इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व युवतियों को स्वावलम्बी बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार करने के लिए प्रेरित करना जिससे अपना व अपने परिवार की खराब आर्थिक स्थिति को सुधार सकें। महिलाओं व युवतियों को समस्त प्रकार के सौन्दर्य प्रसाधनों के बारे में अनुभवी प्रशिक्षिका द्वारा प्रशिक्षण दिया गया तथा संस्था द्वारा 40 महिलाओं व युवतियों को ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का लाभ मिला जिसमें 28 प्रशिक्षणार्थियों ने स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ किया जिसके लिए **NGO मारुत नारायण सेवा संस्थान नागौर** उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है जिससे वह अपने परिवार के अच्छे भविष्य के लिये स्वयं का सहयोग दे सके। व साथ ही संस्था द्वारा चलाये गये इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से ग्रम गोगेलाव नागौर व रामपोल चौराहा नागौर व उसके आस-पास के क्षेत्र में रह रही महिलाओं एवं युवतियों में रोजगार के लिए उमंग पैदा हुई। संस्था स्थापना 2009 से आज तक प्रगति के पथ पर अग्रसर है संस्था अपने उन सहयोगियों का स-धन्यावाद करती है जिन्होंने संस्था की हर सम्भव सहायता की और प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाया।

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पार्लर) के उद्देश्य

- आज के महंगाई के जमाने में महिलाओं व नवयुवतियों को कुछ न कुछ कर अपने घर परिवार में सहयोग कर सकें।
- घरेलू व्यवसाय कर अपने घर परिवार का सहयोग करने हेतु आगे रहे।
- आज के समय में ब्यूटी पार्लर रोजगार हेतु एक अच्छा व्यवसाय है जिससे कम समय में अच्छी आमदनी कर सकती है ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण करवा सकती है।

प्रशिक्षण स्थल ग्राम गोगेलाव तहसील, जिला नागौर



संस्था द्वारा संचालित खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित
ग्राम गोगेलाव नागौरमें ब्युटी पार्लर की ट्रेनिंग करवाते हुए

प्रशिक्षण स्थल रामपोल चौराहा नागौर



संस्था द्वारा संचालित खादी और ग्रमोद्योग आयोग द्वारा आयोजित
रामपोल चौराहा नागौर में ब्युटी पार्लर की ट्रेनिंग करवाते हुए

गैर आवासीय कम्प्युटर प्रशिक्षण :-

गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (कम्प्युटर बेसीक) का आयोजन राजस्थान खादी तथा ग्रमोद्योग बोर्ड पुष्कर अजमेर के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थल रामपोल चौराहा नागौर में किया गया इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण जिम्मेदारी **NGO मारुत नारायण सेवा संस्था नागौर** को इस आयोजन को पुरा करने का कार्य सौंपा गया जिसको संस्था ने बहुत अच्छे से और सफलतापूर्वक पूर्ण कराया जिसके लिए राजस्थान खादी तथा ग्रमोद्योग बोर्ड अजमेर व इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाली सभी महिलाओं व युवतियों तथा युवकों का संस्था की और से आभार व्यक्त किया जाता है आज का युग तकनीकी युग है आज के समय में कम्प्युटर की जानकारी को बहुत अधिक उपयोगी माना जाता है आज सभी जगह सरकारी व गैर सरकारी या स्वयं के काम के लिए कम्प्युटर उपयोगी माना जाता है काम को सरल व जल्दी करने के लिए कम्प्युटर का उपयोग किया जाता है इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा रामपोल चौराहा नागौर में निवास करने वाली गरीब चयनित परिवार के युवक, युवतियों एवं महिलाओं को निःशुल्क कम्प्युटर के प्रशिक्षण हेतु कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें युवक, युवतियों व महिलाओं को कम्प्युटर से कि जाने वाली गतिविधियों जैसे कि ऑफिस कार्य करना, इन्टरनेट के माध्यम से नई योजनाओं के बारे जानकारी लेना व कम्प्युटर से किस प्रकार सरल और कम समय में काम किया जाता है कम्प्युटर के कितने भाग होते हैं कम्प्युटर से जुड़ने वाली मशीनें जैसे प्रिन्टर, स्कैनर इत्यादी के बारे में बताया गया आयोजित कार्यक्रम में इन सभी महिलाओं व युवतियों का प्रशिक्षित कर बताया गया की कम्प्युटर चलाकर किस तरह पैस अच्छी कमाई की जा सकती है इस कम्प्युटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत रामपोल चौराहा नागौर के 20 प्रशिक्षणार्थियों के बैंच का संचालन संस्था ने स्वयं के प्रयासों से किया, संस्था के इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व युवतियों को स्वावलम्बी बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार करने के लिए प्रेरित करना जिससे अपना व अपने परिवार की खराब आर्थिक स्थिति को सुधार सकें। महिलाओं व युवतियों को समस्त प्रकार के सौन्दर्य प्रसाधनों के बारे में अनुभवी प्रशिक्षिका द्वारा प्रशिक्षण दिया गया तथा संस्था द्वारा 20 महिलाओं, युवक युवतियों को कम्प्युटर प्रशिक्षण का लाभ मिला जिसमें प्रशिक्षणार्थियों स्वयं पर निर्भर रहकर अपना व्यवसाय प्रारम्भ करें जिसके लिए **NGO मारुत नारायण सेवा संस्थान नागौर** उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है जिससे वह अपने परिवार के अच्छे भविष्य के लिये स्वयं का सहयोग दे सके व साथ ही संस्था द्वारा चलाये गये इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से रामपोल चौराहा नागौर व उसके आस-पास के क्षेत्र में रह रही महिलाओं एवं युवतियों में कम्प्युटर सिखने व काम करने की रुचि पैदा हुई। संस्था स्थापना 2009 से आज तक प्रगति के पथ पर अग्रसर है संस्था अपने उन सहयोगियों का स-धन्यावाद करती है जिन्होंने संस्था की हर सम्भव सहायता की और प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाया।

गैर आवासीय कम्प्युटर प्रशिक्षण के उद्देश्य

- आज का युग तकनीक का युग है जिसमे कम्प्युटर को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है कम्प्युटर का उपयोग आज के समय पर सभी जगह किया जाता है
- प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी युवक, युवतियां व महिलाओं को कम्प्युटर के बारे बताया गया।
- गरीब व बेरोजगार महिलाओं जो की कम्प्युटर कोर्स नहीं कर सकती आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें निःशुल्क कम्प्युटर प्रशिक्षण देना।
- कम्प्युटर प्रशिक्षण की उपयोगिता को बढ़ावा देना।
- कम्प्युटर की जानकारी गरीब लोगो तक पहुँचाना।
- गरीब बच्चों को इसका उपयोग करने के साथ उनका मनोरंजन करना।
- बेरोजगार व पिछड़े वर्ग के युवकों व पुरुषों के लिए नए रोजगार पैदा किए जा सकते है



संस्था द्वारा संचालित राजस्थान खादी तथा ग्रमोद्योग बोर्ड पुष्कर अजमेर द्वारा आयोजित रामपोल चौराहा नागौर में कम्प्युटर बेसीक की ट्रेनिंग करवाते हुए